सत्र – 2022–23

महाविद्यालय परिचय

श्री माधव कॉलेज ऑफ एजुकेशन एंड टेक्नोलॉजी का मुख्य भवन शिक्षा भारती के 20 एकड़ के परिसर में केशव नगर, मोदीनगर मार्ग, हापुड में स्थित है। प्रदेश के विभिन्न स्थानों से आसानी से पहुंचा जा सकता है। अध्यापक शिक्षा के क्षेत्र में अपना महाविद्यालय विशिष्ट प्रकार का संस्थान है, जो शिक्षण प्रशिक्षण कोशलों में छात्रों को पारंगत करने के साथ विभिन्न स्कूलों में उनको रोजगार के अवसर भी सुलभ कराता है। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ से संबंध तथा एन. सी.टी.ई. दिल्ली से मान्यता प्राप्त शिक्षा स्नातक (बी.एड.) पाठ्यक्रम में 200 सीटों तथा बी. ए. में 120, बी. कॉम. में 60, बी. एस. में 120 सीटों पर प्रवेश की सुविधा उपलब्ध है। प्रशिक्षणार्थियों को खेलकूद तथा साहित्य एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ–साथ नैतिक शिक्षा, आध्यात्मिक शिक्षा, योग, संस्कृत, संगीत, व्यवसायिक शिक्षा के माध्यम से छात्रों का सर्वांगीण विकास किया जाता है।

"जिस शिक्षा से हम अपना जीवन निर्माण कर सकें, मनुष्य बन सके, चरित्र गठन कर सके और विचारों का सामंजस्य कर सकें, वही वास्तव में शिक्षा कहलाने योग्य है।"

महाविद्यालय अध्ययनरत छात्र–छात्राओं में उच्च मानवीय मूल्यों की स्थापना करने तथा सामाजिक गतिशीलता और विकास के लिए सदैव प्रतिबद्ध है, परिणाम स्वरूप आज महाविद्यालय शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में विश्वविद्यालय के उच्च स्तरीय महाविद्यालयों की श्रेणी में गिना जाता है। महाविद्यालय को इस स्तर तक पहुंचाने में हमारे प्राचार्य एवं अनुभवी शिक्षकों का योगदान विशेष रूप से सराहनीय है। मैं सभी को इसके लिए धन्यवाद देता हूं। भविष्य में भी कलात्मक एवं शैक्षिक संवर्धन के साथ वैज्ञानिक प्रणाली से उच्च स्तरीय शिक्षा प्रदान करने के लिए अपने प्रयत्नों और प्रयासों से महाविद्यालय प्रगति पथ पर सदैव अग्रसर होता रहेगा।

– ओम प्रकाश गोयल, अध्यक्ष

"आतमानों मोक्षार्थम् जगत् हिताय च" का अर्थ है "हमारे व्यक्तिगत स्वयं के उद्धार के लिए और पृथ्वी पर सभी की भलाई के लिए"

सर्व विदित है कि परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद छात्र की महत्वकांक्षा रहती है कि वह शिक्षण के क्षेत्र में जाये, क्या शिक्षण के क्षेत्र में जाने का उद्देश्य मात्र जीविका उपार्जन ही है? अथवा शिक्षण के माध्यम से समाज रचना भी है? मेरा विचार है कि शिक्षक को जीविकोपार्जन के उद्देश्य को द्वितीय मानकर समाज रचना को प्राथमिकता देनी चाहिए। शिक्षक मात्र परीक्षा पास कराने वाला एवं परीक्षा में अच्छे अंक दिलाने वाला ही न रहे, बल्कि अपने छात्र/शिष्य की सर्वांग उन्नति करने की चिंता भी करें। उसके शिष्य का चरित्र उत्तम हो, वह स्वावलंबी, स्वाभिमानी तथा प्रमाणिक देशभक्त बने। समाज के दुर्बल वर्ग की सेवा उस जीव का मुख्य लक्ष्य हो। वह नैतिकता, आध्यात्मिकता एवं योग का सहारा लेकर शारीरिक दृष्टि से योग्य हो तथा संगीत और संस्कृत में उसकी अभिरुचि हो। व्यवसायिक शिक्षा में वह निपुण बने एवं संसार का सामान्य ज्ञान उसे प्राप्त हो। जब भी इस प्रकार के सर्वगुण संपन्न नागरिक बनाने का संकल्प लेकर हमारा छात्र शिक्षण जगत में जाएगा तो निश्चित ही देश और समाज में क्रांतिकारी परिवर्तन आएंगे।

– श्रीमती स्वाति गर्ग, सचिव

उच्चतम शिक्षा वह है जो हमें न केवल जानकारी देती है बल्कि हमारे जीवन का सभी अस्तित्व के साथ सामंजस्य बिठाती । –रविंद्रनाथ टैगोर

आज जब हम वैश्विक स्तर पर बड़े संक्रमण के दौर से गुजर रहे हैं,तब एक बड़े बदलाव को भी महसूस कर रहे हैं। तब यह बेहद जरूरी है कि युवा शक्ति को सही दिशा देने का हम सार्थक प्रयास करें। एन.ई.पी.2020 गाइडलाइन के अनुसार हम अपने भावी शिक्षकों का निर्माण करने में अपना शत प्रतिशत देने के लिए प्रतिबद्ध हैं ताकि वे आने वाले समय में समाज में एक मजबूत स्तंभ के रूप में खड़े रहे वह बदलते परिवेश के अनुसार समाज व देश के विकास में अपना योगदान दे सकें।

कुलदीप कसाना
(संयुक्त निदेशक – शिक्षा भारती)

"शिक्षा न केवल समाज बल्कि मानवीय मूल्यों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। "नेलसन मंडेला के अनुसार डिग्री और प्रमाण पत्र देने के अलावा शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है जिसके द्वारा आप दुनिया को बदल सकते हैं।"

अपनी दृष्टि और मिशन को पूरा करने के लिए हम अपने राज्य में शैक्षणिक परिदृश्य की बेहतरी के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं, यहां हम अपने छात्रों के सभी कौशल विकसित करने के लिए समर्पित हैं, जिससे उनका भविष्य उज्ज्वल होगा। मेरा दृढ़ विश्वास है कि हमारा महाविद्यालय में छात्रों को शिक्षण और सीखने में आवश्यक हर चीज से लैस होकर विकसित होने और बढ़ने का मौका मिलता है। मैं कामना करता हूं कि सभी छात्र अपने करियर में शानदार सफलता प्राप्त करें और अपने भविष्य के जीवन में समृद्धि प्राप्त करें।

डॉ. मुनेश कुमार शर्मा
(प्राचार्य)

माधव संदेश

दिसंबर माह में आयोजित गतिविधियां:–नैक निरीक्षण

दिनांक 21.12.2022 को श्री माधव कॉलेज ऑफ एजुकेशन एंड टेक्नोलॉजी को नैक (राष्ट्रीय मूल्यांकन प्रत्यायन परिषद) द्वारा ग्रेडिंग प्रदान की गई, जिसमें महाविद्यालय ने 2.26 सीजीपीए के साथ बी ग्रेड प्राप्त किया। इसकी जांच के लिए 14 मार्च 2022 को आवेदन किया गया। इसकी सेल्फ स्टडी रिपोर्ट 16 जून 2022 को नेट को भेजी गई। बेंगलुरु से एक टीम 12–13 दिसंबर को निरीक्षण के लिए आई ताकि शिक्षा भवनों शिक्षकों छात्रों आदि की पूरी गुणवत्ता की जांच की जा सके।

स्काउट गाइड शिविर

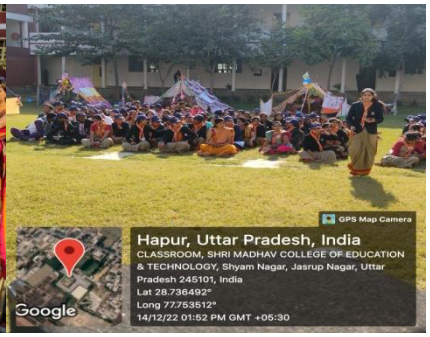

कॉलेज में दिनांक 10-12-2022 से 14-12-2022 तक चले स्काउट गाइड शिविर का समापन किया गया । जिसमें अतिथि के रुप में आमंत्रित श्रीमती स्वाति गर्ग (सचिव महाविद्यालय), श्री सुनील कुमार शर्मा (प्रधानाचार्य सरस्वती बाल मंदिर), अमरपाल शर्मा (प्रधानाचार्य, सरस्वती शिशु मंदिर), श्रीमती मीनाक्षी यादव (प्रधानाचार्य श्रीमती ब्रह्मदेवी सरस्वती बालिका विद्या मंदिर) एवं श्री कुलदीप कसाना जी (संयुक्त निदेशक शिक्षा भारती) मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर समापन कार्यक्रम का शुभारंभ किया। श्री प्रकाश शर्मा जी व नीता कौशिक जी ने सभी स्काउट एवं गाइड को प्रशिक्षित किया। इसी श्रंखला में आगे बढ़ते हुए अतिथियों ने स्काउट गाइड द्वारा बनाए गए शिविर का निरीक्षण किया। इसी के साथ–साथ छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए । परिणाम स्वरूप टोली न. 8 प्रथम स्थान पर रही।टोली न.4 द्वितीय स्थान पर, टोली न.5 तृतीय स्थान पर रही।

नवंबर माह में आयोजित गतिविधियां:—अतिथि व्याख्यान

दिनांक 24.11.2022 को महाविद्यालय में छात्राध्यापकों के लिए कैरियर के अवसर तलाशना विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। आमन्त्रित वक्ता के रूप में डॉ. जितेन्द्र कुमार (सहायक आचार्य, शिक्षक शिक्षा विभाग, धर्म समाज कालिज, अलीगढ़) रहे। अतिथि वक्ता का स्वागत एवं सत्कार भारतीय परम्परा के अनुसार महाविद्यालय के प्रवक्ता श्री अरुण कुमार जी ने किया। अतिथि वक्ता ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में हमारी शिक्षा व्यवस्था के तीन पायदान है प्राथमिक शिक्षा , माध्यमिक शिक्षा , उच्च शिक्षा प्राथमिक शिक्षा के लिए TET, CTET, SUPER TET की परीक्षा पास करनी होती है। स्नातक प्रशिक्षित अध्यापक के लिए बी. एड. परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद स्नातक स्तरीय परीक्षा उत्तीर्ण करने पर TGT Teacher का पद प्राप्त किया जा सकता है। उच्च शिक्षा के लिए NET परीक्षा व उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग द्वारा प्रायोजित परीक्षा उत्तीर्ण कर प्रार्थी सहायक आचार्य की नौकरी प्राप्त कर सकता

समूह चर्चा(एन.सी.एफ. 2005)

दिनांक 11.11.2022 को महाविद्यालय में शिक्षा दिवस पर राष्ट्रीय पाठ्यचर्यो रूपरेखा 2005 पर समूह चर्चा का आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य मुनेश कुमार शर्मा जी ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इस कार्यक्रम पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ . सचिन कुमार शर्मा जी के मार्गदर्शन में परिचर्चा शुरू की गई। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के पश्चात देश में शिक्षा की समस्या के समाधान के लिए अनेक योजनाएं बनाई गई, जिसमें से एन.सी.एफ. 2005 एक है। एन.सी.एफ. 2005 को भारत में एन.सी.ई.आर.टी. दवारा प्रकाशित किया गया था। "राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा शिक्षा की एक प्रणाली है, जिसे भौगोलिक और सांस्कृतिक विविधता के पाठ्यक्रम को कम करके बस्ता रहित, भेदभाव रहित , गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रणाली का विकास करना है। इसी क्रम में महाविद्यालय के सभी सदस्यों ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

निबन्ध प्रतियोगिता

दिनांक 10.11.2022 को महाविद्यालय में निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता एक प्रोत्साहन के रूप में कार्य करती हैं। जो व्यक्ति को लक्ष्य तक पहुँचने के लिए प्रयास करती है। प्रतिस्पर्धा के द्वारा व्यक्ति अपने समान पद या वर्ग के दूसरे व्यक्ति से बेहतर करने का प्रयास करता है। प्रतियोगिता दो प्रकार की होती है स्वयं अथवा दूसरों से। प्रतियोगिता के द्वारा छात्र अपने दैनिक प्रदर्शन में सुधार करने की कोशिश करता है, प्रतियोगिता ही स्वयं में सुधार करने व आत्मनिरीक्षण करने में सहायता करती है। प्रतियोगिता छात्रों की रचनात्मक एवं मौलिक अभिव्यक्ति तथा चिन्तन क्षमता व जीवन ज्ञान को विकसित करने का एक उत्कृष्ट साधन है, इस उद्देश्य से इस निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें निबन्ध का मुख्य विषय साइबर क्राइम रहा। प्रतियोगिता में सभी छात्रों ने बढ़ – चढकर प्रतिभाग किया। निर्णायक मण्डल के रूप में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ० सचिन कुमार शर्मा जी एवं श्री हेमन्त जी रहे। प्रतियोगिता के परिणाम स्वरुप प्रथम स्थान कोमल रानी द्वितीय स्थान निकिता और संघेश गौतम एवं तृतीय स्थान पर कनक त्यागी और एकता शर्मा रही। प्रतियोगिता का आरम्भ प्राचार्य डॉ० मुनेश कुमार शर्मा जी के मार्गदर्शन से किया गया।

गुरु नानक जयंती

दिनांक 7.11.2022 को महाविद्यालय में गुरु नानक जयंती मनाई गई कार्यक्रम का शुभारंभ गुरु नानक देव जी के चित्रा के समक्ष दीप प्रज्वलित व पूष्पार्पित कर किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य ने अपने उद्बोधन में कहा कि गुरु नानक जी सिख धर्म के संस्थापक थे और ऐसी मान्यता है कि इस दिन इनका जन्म हुआ था। इस दिन को सिख धर्म के लोग गुरु पर्व के व प्रकाश पर्व के रूप में भी मानते हैं। प्राचार्य जी ने गुरु नानक जी के जीवन वृतांत सुनते हुए उन्होंने छात्रों को उदारता व दयालुता के साथ लोगों को शिक्षित करते बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

अतिथि व्याख्यान

दिनांक 09.11.2022 महाविद्यालयमें ''शिक्षा में योग एवं प्राणायाम का महत्व'' विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आरंभ डॉक्टर प्रेमपाल शास्त्री (प्राचार्य गुरुकुल महाविद्यालय तातारपुर हापुर उत्तर प्रदेश) द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।अपने वक्तव्य में उन्होंने छात्रों और शिक्षकों से कहा कि योग जीवन का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। जिस प्रकार मनुष्य को भोजन की नियमित आवश्यकता होती है उसी प्रकार योग व प्राणायाम भी मनुष्य के लिए नियमित व दीर्घकालीन होता है। सभी संकाय सदस्यों और छात्रों ने उनके विचारों को बहुत ध्यान से सुना।

अक्टूबर माह में आयोजित गतिविधियांः– दीपावली कार्यक्रम

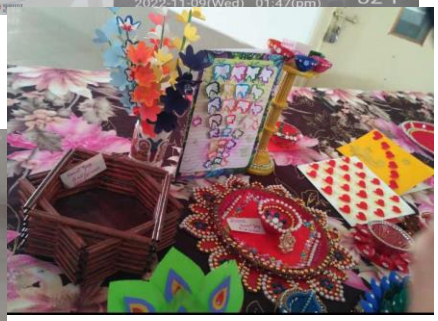

दिनांक 21.10.2022 कोमहाविद्यालय में दीपावली कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि फायर अधिकारी श्री मनु शर्मा, केशव नगर चौकी के सब – इन्सपेक्टर श्री जसवन्त, श्रीमती अपर्णा मोदी, श्रीमती विशाखा गोयल, श्रीमती अनुराधा गोयल तथा श्रीमती काजोल वर्मा ने माँ शारदा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का आरम्भ किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के कार्यालय सदस्यों के द्वारा भजन ''श्री राम जानकी बैठे है मेरे सीने में''की प्रस्तुति देकर सभागार में उपस्थित सभी को भक्ति रस से भाव – विभोर कर दिया। तत्पश्चात शिक्षा भारती के सह – निदेशक श्री कुलदीप कसाना जी ने कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का सम्मान किया। महाविद्यालय के आचार्यों द्वारा एक सन्देश वाहक लघुनाटिका प्रस्तुत की गई जिसमें अनुरोध किया गया कि दीपावली के अवसर पर स्वदेशी वस्तुएँ खरीदकर दीपावली उत्साहपूर्वक मनाए। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक गणोके द्वारा अशोक वाटिका प्रसंग पर एक मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति दी गयी। अतिथि उद्बोधन की श्रृंखला में फायर अधिकारी श्री मनु शर्मा जी द्वारा दीपावली पर किस प्रकार से सावधानियां रखें, इस हेतु महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के अन्त में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए, कॉलेज के प्राचार्य डॉ० मुनेश कुमार शर्मा जी ने सभागार में उपस्थित सभी का आभार व्यक्त किया।

गांधी जयंती (सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता)

दिनांक 01.10.2022 को महाविद्यालय में गांधी जयंती मनाई गई। गांधी जयंती के अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर गांधीजी के जीवन से संबंधित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के दौरान कॉलेज के सहायक प्रोफेसर डॉ. सचिन कुमार शर्मा जी ने छात्रों को गांधी के जीवन और शिक्षा में उनके योगदान के बारे में विस्तार से बताया। कॉलेज के प्राचार्य श्री मुनेश शर्मा ने भी गांधीजी के जीवन पर प्रकाश डाला।

सितम्बर माह में आयोजित गतिविधियां:—अन्तर्राष्ट्रीय शांति दिवस

दिनांक 21.09.2022 को महाविद्यालय में अन्तर्राष्ट्रीय शांति दिवस मनाया गया। इस मौके पर कॉलेज में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बीएड प्रथम व द्वितीय वर्ष के सभी छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। छात्रों ने पोस्टर मेकिंग के माध्यम से शांति दिवस का सही अर्थ समझाया। साथ ही पूरे देशवासियों को शांति दिवस के विचारों का पालन करने का संदेश भी दिया गया। इस प्रतियोगिता में सिमरन कश्यप ने प्रथम, निशा सागर ने द्वितीय तथा अंजू रानी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।कार्यक्रम के अंत में कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मुनेश कुमार शर्मा ने अपने उद्बोधन में छात्रों का उत्साहवर्धन किया।

परिचर्चा सत्र

दिनांक 16–09–2022 को महाविद्यालय में ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं उसके क्रियान्वयन'' विषय पर एक ''परिचर्चा सत्र'' का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. संजय कुमार (डीन, स्टूडेंट वेलफेयर ए.टी.एम.एस कॉलेज हापुड़) ने परिचर्चा सत्र के लिए दीप प्रज्वलित किया। अपने बयान में उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में कुल 27 बिंदुओं पर चर्चा की गई है. जिसमें स्कूली शिक्षा पर 8, अन्य विषयों पर 5, उच्च शिक्षा पर 11, नीति के क्रियान्वयन पर 3 बिंदुओं पर चर्चा की गई है। उन्होंने नई शिक्षा नीति के 5+3+3+4 प्रारूप के बारे में बताया। आमंत्रित वक्ता के रूप में कुशलदेव शास्त्री (सदस्य– उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा बोर्ड, लखनऊ) ने अपने वक्तव्य में कहा कि इस नीति के अनुसार बालक किसी भी क्षेत्रीय भाषा में शिक्षा प्राप्त कर सकता है। शिक्षा नीति के क्रियान्वयन हेतु एक मार्गदर्शक मण्डल का गठन किया गया जिसमें भारतीय ज्ञान एवं भाषाओं के विद्वानों का एक समूह होगा, जो नीति से सम्बन्धित बिन्दुओं पर मार्गदर्शन करेगा। नीति का 2040 में विश्लेषण किया जाएगा और उन कमियों को दूर करें जो आम जनता के लिए सुलभ हों।

हिंदी दिवस (निबंध प्रतियोगिता)

दिनांक 14.09..2022 को श्री माधव कॉलेज ऑफ एजुकेशन एंड टेक्नोलॉजी में हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। इस मौके पर कॉलेज के छात्र–छात्राओं के लिए निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां

सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर की गई। श्रीमती स्वाति गर्ग (कॉलेज की सचिव), श्रीमती मीनाक्षी यादव (श्रीमती ब्रह्मदेवी सरस्वती बालिका विद्या मंदिर की प्रधानाध्यापिका), श्री कुलदीप कसाना (शिक्षा भारती के संयुक्त निदेशक) एवं श्री हेमंत जी कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे। महाविद्यालय सचिव श्रीमती स्वाति गर्ग जी ने कहा कि हिंदी केवल भारत की ही नही, विश्व की प्रमुख भाषाओं में से एक है। हिंदी भारत की पहचान और सम्मान भी है। देश में इतनी सारी भाषाओं और विविधताओं के बीच, हिंदी एक ऐसी भाषा है जो भारतीयों को जोड़ती है। हिन्दी के महत्व को समझने एवं सर्वत्र प्रसारित करने के लिए सितम्बर माह में इस श्रंखला में महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा कविता पाठ, दोहे वाचन एवं भाषण जैसे कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये।अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य ने छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि हिंदी हमारी मातृभाषा है, इसे हर दिन बोलें और हिंदी दिवस के इस दिन सभी को इसे बोलने के लिए प्रोत्साहित करें। साथ ही, प्रधानाचार्य ने अतिथियों को धन्यवाद दिया।

शिक्षक दिवस

दिनांक 05.09.2022 को श्री माधव कॉलेज ऑफ एजुकेशन एंड टेक्नोलॉजी में शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर व पुष्प अर्पित कर की गयी। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती स्वाति गर्ग (सचिव – श्री माधव कॉलेज ऑफ एजुकेशन एंड टेक्नोलॉजी) रही। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षक सूर्य की तरह स्वयं को जलाकर विश्व को प्रकाशित करता है। जो शिष्य के स्वप्न के लक्ष्य तक पहुँचने के लिए खुद को ईंधन की तरह फेंक देते हैं, सड़क की तरह सभी को अपने लक्ष्य तक ले जाते हैं, वे ही राष्ट्र और समाज के सच्चे निर्माता और मार्गदर्शक हैं। शिक्षण कोई पेशा नहीं है, लेकिन यह सभी व्यवसायों की जननी है। मुझे गर्व है कि मुझे शिक्षा दान की इस पावन यात्रा में आप जैसे गुरुजनों का सहयोग मिला। शिक्षक के सम्मान में कॉलेज के छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

अगस्त माह में आयोजित गतिविधियां:–मटकी एवं बांसुरी सजावट प्रतियोगिता

दिनांक 17.08.2022 को कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर महाविद्यालय में मटकी एवं बांसुरी सजावट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बीएड प्रथम व द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने भाग लिया। सहायक प्रोफेसर श्रीमती सपना शर्मा एवं श्री हेमंत कुमार जी जज के रूप में उपस्थित रहे। विद्यार्थियों ने बड़े ही उत्साह और जोश के साथ सुंदर और आकर्षक मटकी और बांसुरी सजाई। जज के लिए निर्णय करना मुश्किल था, उन्होंने छात्रों की प्रस्तुति के आधार पर निष्कर्ष निकाला, जिसमें अंजू प्रथम, नेहा दूसरे स्थान पर और शीतल त्यागी और कनिका मित्तल तीसरे स्थान पर रहीं। प्रतियोगिता के अंत में प्राचार्य डॉ. मुनेश कुमार शर्मा ने जज के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। अपने बयान में प्रधानाचार्य ने श्री कृष्ण की कलाओं और लीलाओं से छात्रों को अवगत कराया और उन्होंने छात्रों को भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए प्रोत्साहित किया और उनका मनोबल बढ़ाया।

स्वतंत्रता दिवस रैली

दिनांक 15.08.2022 को हमारे कॉलेज द्वारा भारत सरकार के निर्देश पर ''हर घर तिरंगा'' थीम पर एक भव्य रैली का आयोजन किया गया। 76वें स्वतंत्रता दिवस के अमृत महोत्सव के अवसर पर ध्वजारोहण का कार्यक्रम हमारे मुख्य अतिथि राज्य मंत्री श्री दिनेश खटीक जी एवं हापुड़ की जिलाधिकारी श्रीमती मेघा रूपम जीद्वारा किया गया।छात्र–छात्राओं ने देशभक्ति गीत पर मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। जिलाधिकारी ने प्रेरक शब्दों से छात्राओं का अभिनंदन किया। प्रबंधन समिति के समस्त सदस्यों एवं हमारे महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मुनेश कुमार शर्मा ने भी कार्यक्रम में पधारे अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

राखी मेकिंग प्रतियोगिता

दिनांक 10.08.2022 को श्री माधव कॉलेज ऑफ एजुकेशन एंड टेक्नोलॉजी, हापुड़ में राखी मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें सभी बी.एड. छात्रों ने भाग लिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने सुंदर व आकर्षक राखियां बनाईं। गिरीश वत्स (ए.टी.एम.एस.कॉलेज, अच्छेजा, हापुड़, के प्राचार्य) को जज के रूप में आमंत्रित किया गया था। इस प्रतियोगिता में प्राची चौधरी ने प्रथम, नेहा ने द्वितीय, शीतल त्यागी ने तृतीय तथा आयुषी अग्रवाल ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। उन्हें उनकी रचनात्मकता के आधार पर आंका गया था।

जुलाई माह में आयोजित गतिविधियां:–तीज पर्व

दिनांक 29.07.2022 को महाविद्यालय में तीज पर्व मनाया गया। इस मौके पर मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बीएड प्रथम व द्वितीय वर्ष के छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। उन्होंने एक–दूसरे को अलग–अलग डिजाइन की मेहंदी लगाई। छात्रों की प्रस्तुति के माध्यम से विजेता का फैसला किया गया, जिसमें आयुषी अग्रवाल पहले, कीर्ति दूसरे स्थान पर और ताजिन और काजल तीसरे स्थान पर रहीं। विजेताओं को अतिथियों ने पुरस्कृत किया।

स्थापना दिवस

दिनांक 21.07.2022 को श्री माधव कॉलेज ऑफ एजुकेशन एंड टेक्नोलॉजी का स्थापना दिवस मनाया गया। स्थापना दिवस के अवसर पर हवन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर व पुष्प अर्पित कर की गई। हवन का शुभारंभ महाविद्यालय की सचिव श्रीमती स्वाति गर्ग जी एवं प्रबंध समिति के सदस्य श्री मुकेश तोशनी वाल जी द्वारा हवन कर किया गया। श्रीमती स्वाति गर्ग ने कहा कि सत्रह वर्ष पूर्व आज ही के दिन स्वर्गीय श्री राजकृपाल जी एवं शिक्षा भारती के अन्य सदस्यों के सहयोग से उक्त महाविद्यालय की स्थापना हुई थी। उन्होंने

बताया कि नए सत्र में बीएड के साथ–साथ बीए, बीकॉम और बीएससी की कक्षाएं भी लगाई जाएंगी। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मुनेश कुमार शर्मा, श्री कुलदीप कसाना (शिक्षा भारती सहनिदेशक), श्रीमती मीनाक्षी यादव, प्राचार्य श्रीमती ब्रह्मदेवी सरस्वती बालिका विद्या मंदिर, श्री हेमंत कुमार एवं महाविद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित था।

हवन समारोह

दिनांक 12.07.2022 को महाविद्यालय के संस्थापक श्री राजकृपाल जी (बाबू जी) की पुण्यतिथि पर चतुर्थ स्मृति दिवस पर हवन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय प्रेरणा सिंह जी (सीडीओ–हापुड़ जिला), श्री सर्वेश कुमार मिश्रा (ए.एस.पी.–हापुड़ जिला), डॉ. राजपाल सिंह (शूटिंग के भीष्म पितामह), प्रसिद्ध उद्योगपति श्री सुनील कुमार गर्ग, श्री विजय पाल आढ़ती (विधायक), श्री उमेश राणा (बीजेपी अध्यक्ष – हापुड़), श्री अनिल अग्रवाल (प्रबंधक – सरस्वती बाल मंदिर और सचिव – शिशु एवं बाल कल्याण समिति) और श्रीमती स्वाति गर्ग (अध्यक्ष – शिक्षा भारती) उपस्थित था। तत्पश्चात कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र का उद्घाटन हापुड़ जिले की सीडीओ प्रेरणा सिंह द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि सफल जीवन पाने के लिए संघर्ष ही मूलमंत्र है। सचिव – श्रीमती स्वाति गर्ग ने सभी अतिथियों का विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करने के लिए आभार व्यक्त किया।